मजीज़िया भानु (१ दिसंबर १९९५)

मजीज़िया भानु केरल में रूढ़िवाद समाज का सामना करते, पॉवर लिफ्टिंग चैंपियन बनी। अपनी कामयाबी का श्रेय वह अपनी माँ को देती है, जिन्होंने उनपर भरोसा रखा और हर मुश्किल में उनका सहस बढ़ाया। वह हिजाब पेहेन कर पॉवर लिफ्टिंग करती है, जिसके वजह से लोग कई बातें करते है। उनका मानना है की अगर किसी को अपना जिस्म दिखने का हक्क है तो उन्हें ढ़कने का हक्क है। वह दुनिया को बताना चाहती है कि हिजाब औरत के आड़े नहीं आता अगर उसने तय किया है की वो कुछ हासिल करना चाहती है।

मजीज़िया भानु ने न सिर्फ हिन्दुस्तान बल्की इंटरनैशनल लेवल पर बेशुमार अवॉर्ड जीते (१६ इंटरनैशनल और १३ स्टेट्स लेवल अवॉर्ड अपने नाम किए) साथ ही वो अपनी डेंटिस्ट्री की फील्ड मे पढ़ाई कर रही है।